–: किरायानामा :–

आज दिनांक ..... को यह किरायानामा लिख देता हूँ मैं ..... पुत्री ..... जति ..... उम्र ..... निवासी ..... तहसील ..... जिला जोधपुर

–: बहक :– (प्रथम पक्षकार)

श्री ..... पुत्र श्री ..... जाति ..... उम्र ..... वर्ष निवासी ..... त्हसील ..... जिला ..... (राज.) के हक में लिखकर तहसीर व् तकमील कर देता हूँ कि :– (दितीयपक्षकार)

1. यह है कि ग्रम ..... में मेरी पट्टा शुद्धा मकान /दूकान माप ..... फूट का आया हुआ है जिसका मै स्वयं मालिक हूँ तथा दूकान/मकान मेरे कब्जे में है। जिसको आगे किराये पर देने का मुझे पुर्ण अधिकार है।
2. यह है उक्त दुकान/मकान आज आप दितीय पक्षकार को प्रतिमाह ..... रूप्ये (अक्षरे :– .....) के हिसाब से ..... माह के लिए किराये पर देती है। जिसका किराया हर माह कि ..... तारीख को अदा होगा।
3. यह है उक्त दुकान/मकान में किरायेदार अपनी इच्छानुसार धंधा या निवास कर सकेंगे।

अतः यह मकान/दुकान का किरायानामा मैंने मेरी राजी. खुशरी, अक्ल होशियारी, होश हवाश, बिना किसी नशे पते, बिना किसी दबाव समझकर, तदूंरस्ती कि हालत में लिख दिया है जो सही सनद रहे तथा वक्त जरूरत काम आवे।

किरायेदार के हस्ताक्षर मकान मालिक के हस्ताक्षर

1.गवाह.....

2.गवाह.....